तीव्र पुरुषार्थ - 30

अव्यक्त बापदादा (01/06/1973) **:-**

➳ _ ➳ अभी तो समय ऐसा आ रहा है जो **सारे भंभोर को जब आग लगेगी**, उस आग से बचाने के लिए कुछ मुख्य बातें आवश्यक हैं। जैसे कहीं भी आग लगती | है, तो आग से बचने के लिए पहले किस वस्तु कि आवश्यकता होती है? जब इस विनाश की आग चारों ओर लगेगी, उस समय आप श्रेष्ठ आत्माओं का पहला-पहला कर्तव्य कौन-सा है?

➳ _ ➳ **शान्ति का दान अर्थात् शीतलता का जल देना।** पानी डालने के बाद फिर क्या-क्या करते हैं? **जिसको जो-कुछ आवश्यकता होती है वह उन की आवश्यकताएँ पूर्ण करते हैं।** किसी को आराम चाहिए, किसी को ठिकाना चाहिए, मतलब जिसकी जैसी आवश्यकता होती है। वही पूरी करते हैं। आप लोगों को कौन-सी आवश्यकताएँ पूर्ण करनी पड़ेगी, वह जानते हो?

➳ _ ➳ उस समय हरेक को अलग-अलग शक्ति की आवश्यकता होगी। किसी को **सहनशक्ति** की आवश्यकता, किसी को **समेटने की शक्ति** की आवश्यकता, किसी को **निर्णय करने की शक्ति** की आवश्यकता और किसी को अपने-आप को **परखने की शक्ति** की आवश्यकता होगी। किसी को **मुक्ति के ठिकाने की आवश्यकता** होगी। भिन्न-भिन्न शक्तियों की उन आत्माओं को । उस समय आवश्यकता **होगी। बाप के परिचय द्वारा एक सेकेण्ड में अशान्त आत्माओं को शान्त कराने की शक्ति** भी उस समय आवश्यक है। **वह अभी से ही इकठी करनी होगी।** नहीं तो उस समय लगी हुई आग से कैसे बचा सकेंगे? जी-दान कैसे दे सकेंगे? **यह अपने-आप को पहले से ही तैयारी करने के लिए देखना पड़ेगा।**

➢➢ अंतिम समय की तैयारी

➳ _ ➳ हमें SPIRITUAL FIRE BRIGADE बनना है

→ अपने चारों और सप्त अग्नियों का घेरा निर्माण करना है

- ज्ञान की अग्नि - निरंतर ज्ञान चिंतन करते रहो
- पवित्रता की अग्नि - विकारी कल्पना और विकारी कर्म दोनों में समान शक्ति व्यय होती है
- योग अग्नि
- वैराग की अग्नि
- परमात्म प्रेम की अग्नि
- त्याग अग्नि
- लगन की अग्नि

➳ _ ➳ अंतिम समय के लिए हमें स्वयं को SPIRITUAL POWERS से भरना है

→ इंसान अकेले (एकांत) में बैठकर जो कर रहा है... वही उसका वास्तविक चरित्र है...

➳ _ ➳ तीन प्रकार के बल

→ शारीरिक बल

→ बुधी बल

- इससे आप लोकिक दुनिया में कोई पद पा सकते हैं

→ आत्म बल / परमात्म बल / योग बल

- महात्मा गांधी जैसी आत्माएं इसी बल के आधार पर आगे बड़ी
- SELF CONTROL IS THE GREATEST POWER IN THE WORLD